

प्रषक

विनीता कुमार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,  
समाज कल्याण, उत्तराखण्ड,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-02

देहरादून : दिनांक 07 जनवरी 2008

विषय:-रिट याचिका संख्या : 2370(एस0एस0)/2007 श्रीमती धनेश्वरी घिल्डियाल बनाम राज्य में श्री एस0सी0 विरमानी, अधिवक्ता, देहरादून को नामित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक प्रकरण के सम्बन्ध में सम्यक विचारोपरान्त लिये गये निर्णयानुसार मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त रिट याचिका की देख-रेख के लिए तथा व्यक्तिगत रूप से अधोहस्ताक्षरी को याचिका में प्रत्यर्थी बनाये जाने के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी की ओर से मा0 उच्च न्यायालय में प्रति शपथ-पत्र/प्रतिवाद पत्र प्रस्तुत किये जाने/पैरवी किये जाने तथा न्यायिक प्रकरणों में परामर्श/ कार्यवाही किये जाने हेतु श्री एस0सी0 विरमानी को विधिक अधिकारी/अधिवक्ता के रूप में नामित किया जाता है।

श्री विरमानी को विधिक शुल्क का भुगतान निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड के द्वारा किया जायेगा। श्री विरमानी विधिक अधिकारी/अधिवक्ता के रूप में अग्रिम आदेशों तक कार्यरत रहेंगे।

भवदीय,

( विनीता कुमार )  
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 657/XVII-02/2008 रिट13(11)/2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, न्याय उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में न्याय व विधायी विभाग की समीक्षा बैठक दिनांक 02.07.2005 में लिये गये निर्णय के क्रम में।
2. मुख्य स्थायी अधिवक्ता, मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल।
3. श्री एस0सी0 विरमानी, अधिवक्ता, देहरादून।
4. एस0आई0सी0 सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
( आरि0 के0 चौहान )  
अनु सचिव।